Impact Factor (SJIF): 5.158 E-ISSN: 2583-7206, P-ISSN: 3049-2432

International Journal of All Subject Research

Received: 25/August/2025 IJASR: 2025; 4(5):43-44 Accepted: 05/October/2025

महिला सशक्तिकरण और मनरेगा योजना: ग्रामीण विकास में महिलाओं का योगदान

[1]डॉ. सोनिका और [*2]नगीना

[1]सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विषय, सामाजिक विज्ञान विभाग, मानविकी एवं उदार शिक्षा संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्व विद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक, हरियाणा, भारत।

[*2]शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विषय, सामाजिक विज्ञान विभाग, मानविकी एवं उदार शिक्षा संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्व विद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक, हरियाणा, भारत।

सारांश

देश के निर्माण तथा विकास में जितनी महत्वपूर्ण भूमिका पुरुषों की होती है। उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका महिलाओं की भी होती है। महिलाएं समाज और देश का एक अति महत्वपूर्ण अंग है। महिलाओं के बिना कोई भी राष्ट्र और समाज व देश प्रगति नहीं कर सकता। अगर राष्ट्र, समाज को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है। तो महिलाओं को साथ लेकर चलना होगा। तभी एक खुशहाल और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। जैसा कि डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने भी कहा था कि अगर किसी राष्ट्र और समाज की प्रगति को देखना है। तो वहां निवास करने वाली महिलाओं की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है।

मुख्य शब्द: महिलाएं, विकसित, राष्ट्र, खुशहाल, निर्माण, ऊंचाईयां आदि।

प्रस्तावना

ग्रामीण विकास में महिला की अति महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महिलाएं समाज की रीढ़ होती है, वह आजीविका के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तथ ग्रामीण महिलाएं पोषण सुरक्षा, आय उत्पन्न करना ग्रामीण समाज के कल्याण में सुधार लाने के लिए जिम्मेदार होती है। ग्रामीण महिलाएं आजीविका के लिए खेती, छोटे-बड़े कारोबार और घर के बाहर आदि के काम अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है। ग्रामीण महिलाएं अपने बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कल्याण में निवेश करके अपने और अपने समुदाय को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही हैं। ग्रामीण महिलाएं ग्राम विकास कार्य में भाग लेते जैसे सड़क निर्माण, सफाई अभियान, औद्योगिक प्रोजेक्ट आदि के माध्यम से ग्रामीण विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभा रही है। ताकि राष्ट्र और समाज के विकास में अपनी भूमिका का निर्वाह अच्छे से कर सके। ग्रामीण महिलाएं जल संसाधनों के प्रबंधन में मदद करती हैं । वन संरक्षण के लिए समुदाय को भी जागरूक कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने से न सिर्फ महिलाओं के परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। बल्कि पूरा समुदाय भी सशक्त हो रहा हैं। वे कृषि और ग्रामीण उद्योगों में अपना योगदान देती हैं। जिससे स्थानीय वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने में अपना सहयोग देकर राष्ट्र ओर समाज को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। क्योंकि सरकार ने जो योजनाएं महिलाओं के लिए शुरू कि है उन योजनाओं ने महिला सशक्तिकरण में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्य तौर पर मनरेगा जैसी योजनाओं ने, क्योंकि आधिकारिक आंकड़े यही बयां कर रहे हैं कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं की भागीदारी पिछले 10 वित्तीय वर्षों की तुलना में सबसे उच्चतर स्तर पर पहुंच गई है। मनरेगा योजना में महिलाओं की सहभागिता की दर लगातार बढ़ रही है जैसे:-

तालिका 1:

वित्तीय वर्ष	महिला श्रमिकों की (%) दर
2014-2015	54.88%
2015-2016	55.26%
2016-2017	56.16%
2017-2018	53.53%
2018-2019	54.59%
2019-2020	54.78%
2020-2021	53.19%
2021-2022	54.82%
2022-2023	57.47%
2023-2024	59.24%
2025-2026	लगभग 60%

***Corresponding Author:** नगीना

इन आंकड़ों के आधार पर कह सकते हैं कि मनरेगा योजना महिलाओं के लिए एक वरदान सिद्ध हुई है।

इन आंकड़ों में अगर हम महिलाओं के भागीदारी के तौर पर देखे तो हमें यह भागीदारी लगातार बढ़ता हुआ प्रतीत हो रही है। क्योंकि 2022-23 देश में मनरेगा में महिलाओं के भागीदारी की दर 57.47 प्रतिशत और 2021-22 में 54.82 प्रतिशत थी लेकिन कोविद-19 के दौरान नहीं आंकड़ों में कुछ कमी देखी गई 2020-21 के दौरान है आंकड़े 53.19% थी और फ्री कोविड काल में 2019-20 के दौरान आंकड़ों की संख्या 54.78 प्रतिशत लेकिन कोविद-19 के बाद मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। क्योंकि सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा 9 अक्टूबर 2023 को जारी रिपोर्ट दर्शाती है कि देश में महिला मजदूरों की भागीदारी में लगातार वृद्धि हो रही है। 2023 में बढ़कर 37.0 प्रतिशत हो गई है। जो की 2021-22 में 32.8 प्रतिशत थी इन सभी आकाडो के आधार पर कह सकते हैं कि मनरेगा योजना से महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक स्थिति में परिवर्तन हुआ है। महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही है और वह समझ चुकी है कि समाज, परिवार और राष्ट्र में उनकी क्या भूमिका है। लेकिन इसमें कुछ कमी है अगर उस कमी को दूर कर दिया जाए तो वह दिन दूर नहीं जब सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए योजना कार्यक्रम शुरू किया है पूर्ण रूप से सफल हो जाएंगे और मनरेगा योजना के माध्यम से ग्रामीण कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि देश व समाज अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। जैसा कि केंद्रीय बजट 2023 में भी परिकल्पित किया गया है। जब 2027 के अमृत काल में कदम रखे तो देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बन सकें और महिला सशक्तिकरण पर जी-20 की घोषणा पत्र मे प्रमुख घटक है कि देश की प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि लोगों को जगाने के लिए महिलाओं को भी जागना होगा, जब एक महिला आगे बढ़ाती हैं तो परिवार भी आगे बढ़ता साथ ही साथ समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष रूप से यह कह सकते हैं कि मनरेगा योजना के अंतर्गत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुईं है। तथा उन्हें स्वतंत्रता के साथ-साथ आत्मसम्मान भी प्राप्त हुआ है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में प्रकाश की किरण बनकर आई है। और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आने में अति महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। मनरेगा योजना ने एक लिंग तटस्थता की भूमिका निभाई है। क्योंकि पुरुषों के साथ समान मजदूरी और महिलाओं के लिए मजदूरी दरों की अलग अनुसूची का प्रावधान, बच्चों के लिए कार्य स्थल पर देखभाल और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देती है। ग्रामीण महिलाओं के सर्वांगीण विकास में मनरेगा योजना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक अनुपम स्थापित हो चुका है, मनरेगा योजना के माध्यम से दलितों, पिछड़ा और निर्धनों, कमजोर ग्रामीण विशेष कर ग्रामीण महिलाओं को देश के विकास की मुख्य धारा में शामिल करने का प्रयास किया गया है। जिससे उनमें आत्मविश्वास, आत्म गौरव और रोजगार की उपलब्धता में आत्मनिर्भरता का भाव महिलाओं में पैदा हुआ है। जिसे महिलाओं में कार्य करने की क्षमता बढ़ी है, साथ ही साथ जागरूकता भी बढ़ी है। परिवार सुरक्षित हुए हैं, सामाजिक समस्या भी कम हुई है। मनरेगा योजना का इस दिशा में किया जाने वाला सफल व सराहनीय प्रयास है कहां जा सकता है कि मनरेगा योजना में ग्रामीण महिलाओं और भूमि मजदूरों के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य किया है। जिससे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना केंद्र सरकार व राज्य सरकार की सबसे बड़ी लोकप्रिय योजनाओं में से एक है। जिसमें हर वर्ग की महिलाओं को सम्मान प्राप्त हुआ है। इस योजना के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि मनरेगा योजना महिलाओं की आत्मा है। जिसने महिलाओं को जीवन जीना सिखा दिया है। और मनरेगा योजना सुरक्षा कवच के रूप में वरदान साबित हुई है। और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना ने महिला सशक्तिकरण में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. खण्डेला मानचन्द, ''महिला सशक्तिकरण'', अरिहंत पब्लिकेशन, जयपुर राजस्थान, 2002।
2. गिरिजाप्पा, ''ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका, नई दिल्ली, 1988।
3. देसाई नीरा, ''भारतीय समाज में नारी'', नई दिल्ली, 1998।
4. अग्रवाल चन्द्रमोहन, ''भारतीय नारी विविध आयाम, इंडियन पब्लिशर्स, दिल्ली, 2004।
5. अनिता, ''पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण'', राजस्थान विकास, 2000।
6. एम. ए. अंसारी, '' राष्ट्रीय महिला आयोग और भारतीय नारी'', ज्योति प्रकाशन, जयपुर राजस्थान, 2000।
7. अरोड़ा रेणु, ''सहकारिता और महिला सशक्तिकरण'', कुरूक्षेत्र, हरियाणा, 2000।
8. सारस्वत स्वप्रिल, सिंह निशान्त, ''समाज राजनीति और महिलाएंः– दशा और दिशा'', राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2001।
9. सीमोन द बोउवार, ''स्त्रीः– उपेक्षित (सम्पादित प्रभा खेतान), हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली, 2002।
10. नटाणी, प्रकाश नारायण, ''महिला जागृति और कानून'', अविष्कार पब्लिकेशन, जयपुर राजस्थान, 2002।
11. चौधरी कृष्ण चन्द, '' पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी'', कुरूक्षेत्र पत्रिका, जुलाई 2018।
12. जास्तित लारेन्स, ''महिला श्रमिकः– सामाजिक स्थिति एवं समस्याएं'', अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2009।
13. शर्मा, प्रेम नारायण एवं विनायक, ''गरीबी उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण'', लखनऊ उत्तर प्रदेश, 2011।
14. राजकुमार, '' महिला एवं विकास'', अर्जुन पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, 2009।
15. नैन्सी परनारी, ''राजस्थान में मनरेगा'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर राजस्थान, 2013 ।